विष का नाम	मात्रा	असर
एन्ड्रीन	500 मि.ग्रा./ हैक्टेयर	2 मास
ब्लीचिंग पाउडर	300–500 कि.ग्राम/ प्रति हैक्टेयर	3–5 मास

विष के प्रयोग की विधिः

तालाब में विष का प्रयोग गर्मियों के मौसम में जब पानी कम से कम हो तब किया जाना चाहिए। उदाहरण यदि तालाब की लम्बाई 50 मीटर व चौड़ाई 20 मीटर व गहराई एक मीटर है तो महुए की खली 250 कि.ग्रा. का प्रयोग करें और यदि इसी तालाब में ब्लीचिंग पाउडर का प्रयोग करना हो तो 30 कि. ग्रा. की आवश्यकता होगी।

सम्पर्क सूत्रः मत्स्य भवन
मात्स्यिकी निदेशालय, हिमाचल प्रदेश,
चंगर सैक्टर– बिलासपुर– 174 001
फोन/फैक्सः 01978–224068
ई मेल: fisheries-hp@nic.in
वैबसाईट: hpfisheries.nic.in

रा0 मु0 हि0 प्र0, शिमला–1828–मत्स्य–2015–23–07–2015––500 प्रतियां।

संग्रहण पूर्व तालाब की तैयारी

भाग—ख

तालाब से बेकार मछलियों का उन्मूलन

मात्स्यिकी निदेशालय,
हिमाचल प्रदेश, बिलासपुर।

अधिक मछली उत्पादन के लिए बेकार मछलियों का उन्मूलन आवश्यक है। यह नये तालाब में उपलब्ध पोषक तत्वों का शोषण करती ही हैं। बेकार मछलियां तालाब में डाले गए मछली बीज को भी खा जाती हैं और साथ ही साथ प्राकृतिक आहार और पूरक आहार में भी हिस्सा लेती हैं कारणवश तालाब से पूरा उत्पादन नहीं हो पाता है।

वैज्ञानिक तरीके से मछली पालन प्रारम्भ करने से पूर्व जलक्षेत्र से बेकार मछलियों का उन्मूलन अतिआवश्यक है जो कि निम्न विधियों को अपनाकर किया जा सकता है:

1. तालाब सूखाकर:

बेकार मछलियों के उन्मूलन का सबसे आसान तरीका है कि तालाब को सूखा दिया जाए और दोबारा बेकार मछलियों को जल में पनपने न दिया जाए।

2. जाल द्वारा सफाई:

बार–बार मछली पकड़ने वाले जाल का प्रयोग करके बेकार मछलियों को निकाल दिया जाए।

3. विष के प्रयोग द्वारा:

विष का प्रयोग ऐसे तालाब में किया जाता है जिसको खाली करना संभव नहीं होता, विष का चुनाव बड़ी सावधानी से किया जाना चाहिए जिसका प्रभाव कम समय तक रहे। यह विष बाजार में आसानी से मिल सके। तालाब में मछली उत्पादन पर कम प्रभाव डाले, इन विषों को निम्न समूह में रखा जाता है:–

1. वनस्पति मूल के विष
2. रसायनिक विष

1. वनस्पति मूल के विष:

इस मूल के विषों का प्रयोग अधिक

श्रेष्ठकर होता है क्योंकि यह आसानी से मिल जाते हैं और इनका पानी पर प्रभाव कम समय तक रहता है, सबसे श्रेष्ठ विष इस श्रेणी में निम्न प्रकार से है:

नाम	मात्रा	असर
महुआ की खली	2500 (कि.ग्रा./ प्रति हैक्टेयर)	15 दिनों तक

यह खली विष का काम तो करती है लेकिन बाद में यह पानी में खाद का काम भी करती है जिससे यह उत्पादन में सहायक सिद्ध होती है।

2. रसायनिक मूल के विष:

बेकार मछलियो को मारने के लिए अनेक रसायनिक मूल के विष उपलब्ध हैं लेकिन इस प्रकार से मारी / मरी मछलियों को खाया नहीं जा सकता।